Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-508

ग्रहण, वेध–यन्त्र तथा गोल परिचय–02

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20/21)

द्वितीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. भारतीय वेध परम्परा की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

P.T.O.

Q.2. प्रमुख यंत्रों का नाम व उसका उपयोग लिखिये।

Q.3. अर्वाचीन यंत्रों का विवेचन कीजिये।

Q.4. गोल की महत्ता का वर्णन करते हुये नाड़ी, क्रांति, क्षितिज, ध्रुवस्थान, वित्रिभ तथा सत्रिभ आदि आभासिक वृत्तों का उल्लेख कीजिये।

Q.5. ज्योतिषशास्त्र में वेधशाला के प्रयोजन पर प्रकाश डालिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. गोल यंत्र तथा शन्कु यंत्र के बारे में बतायें।

Q.2. सम्राट यंत्र तथा नाडीवलय यंत्र का वर्णन कीजिये।

Q.3. बिंदु, रेखा एंव वृत्त को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

Q.4. खगोल एंव भूगोल में अंतर स्पष्ट करें।

Q.5. याम्योत्तर, समस्थान, कोणवृत्त तथा कदम्बवृत्त की परिभाषा लिखें।

Q.6. "गोलसंधेर्नवत्यंशैर्वृत्तं कर्कमृगादिकम्।
आयनं मण्डलं तत्स्यात् कदम्बध्रुवयोर्गतम्।।" श्लोक की व्याख्या करें।

Q.7. पात क्या है? राहु एंव केतु पात स्पष्ट करें।

Q.8. दृगज्या एंव दिगंश को स्पष्ट करें।

****